जाता है।

कुछ लोग बसंत पंचमी के दिन बसंत ऋतु का आगमन मानते है। ऋतुओं

देवी मां सरस्वती की पूजा की जाती है। गुरुग्राम में लाखों प्रवासी परिजन रहते हैं और विधि-विधान से त्योहार मनाते हैं।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने कौशल का प्रदर्शन किया

गुरुग्राम | कार्यालय संवाददाता

सेक्टर-34 स्थित डीपीजी आईटीएम में बसंत पंचमी के अवसर पर वार्षिकोत्सव में 100 बच्चों ने विभिन्न कौशल का प्रदर्शन किया। इसमें नृत्य कला, गायन, नाट्य आदि रंगारंग कार्यक्रम के अद्भुत प्रस्तुति दी। समाज के मुख्य धरा से वंचित बच्चों ने यह दिखाया है कि वो किसी से काम नहीं हैं, जरूरत है तो सिर्फ एक दिशा देने की।

कार्यक्रम में सोहना रोड, सेक्टर-57 फुटपाथशाला, सिकंदरपुर रीच एंड टीच सेंटर, करोल बाग और नोएडा के बच्चों ने सरस्वती वंदना, देश भक्ति गान, योग के महत्व पर डांस, करुणा का महत्व पर नाट्य आदि के द्वारा अपने कला का परिचय दिया। जिसे देख कर सारे दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए।

शिक्षा का सदुपयोग देश हित में लगा रहे हैं: वहीं डीपीजी के प्रिंसिपल प्रह्लाद सिंह बच्चों को संबोधित कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने का कि विभिन्न झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों का शिक्षा के द्वारा सशक्तिकरण के लिए काम करती है। इसके स्वयं सेवक कामकाजी युवा और स्टूडेंट्स होते हैं, जो अपने खाली समय और अपनी शिक्षा का सदुपयोग देश हित के लिए करना चाहते हैं।

उपाय संस्था के ये लोग निस्वार्थ भाव के साथ समाज के पिछड़े वर्ग के बच्चों को फ्री में 2 घंटे की क्लास उनके झुग्गी बस्ती में जाकर देते हैं।

ार की लड़कियो की मदद की गई

़-दूसरे का हाथ थामा